



राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना
त्रैमासिक मूल्यांकन - दिसंबर 2025

प्रश्न-पत्र

कक्षा - VI

विषय - विज्ञान

समय - 2 घंटा

पूर्णांक - 25

निर्देश

- इस प्रश्न-पत्र में कुल 5 प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।
- प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके लिए निर्धारित अंक एवं निर्देश अंकित हैं।

1. कोष्ठक में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(5×1=05)

- (क) ताप का SI मात्रक है। (केल्विन, फारेनहाइट)
- (ख) किसी स्वस्थ मानव शरीर का सामान्य ताप लगभग.....होता है।
(98.6°C, 37.0°C)
- (ग) जलवाष्प के द्रव अवस्था में परिवर्तन की प्रक्रियाकहलाती है।
(संघनन, वाष्पीकरण)
- (घ) द्रव के ठोस अवस्था में परिवर्तित होने के प्रक्रम को कहते हैं।
(हिमीकरण, पिघलना)
- (ङ) वह उपकरण जो ताप मापता है, कहलाता है। (थर्मामीटर, बैरोमीटर)

2. दिए गए कथनों में से सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (X) का चिह्न लगाइए।

(5×1=05)

- (क) फूलों से दाने पृथक करने की विधि को थ्रेशिंग कहते हैं। ☐
- (ख) नमक के विलयन को धूप में रखकर नमक को इससे पृथक किया जा सकता है। ☐
- (ग) डॉक्टरी तापमापी का ताप-परिसर -10°C से 110°C होता है। ☐
- (घ) अन्ना मणि भारत की एक मौसम विदुषी थी। ☐
- (ङ) बरसात के दिनों में वायु में जलवाष्प की मात्रा कम होती है। ☐

3. स्तंभ 'अ' का उपयुक्त मिलान स्तंभ 'ब' से कीजिए।

(5×1=05)

स्तंभ 'अ'

स्तंभ 'ब'

(क) बेसन और काले चने का मिश्रण

(i) हस्त चयन

(ख) चॉक पाउडर और पानी का मिश्रण

(ii) चुंबकीय पृथक्करण

(ग) भुट्टे और आलू का मिश्रण

(iii) निस्तारण

(घ) लोहे के चूरे और बुरादे का मिश्रण

(iv) चालन

(ङ) तेल और पानी का मिश्रण

(v) निस्संदन (फिल्टर)

4. लगभग 50 शब्दों में उत्तर दीजिए :

(2×2.5=05)

(क) प्रकृति में जल किन-किन अवस्थाओं में विद्यमान है ?

(ख) जल चक्र किसे कहते हैं ?

5. लगभग 100 शब्दों में उत्तर दें :

(1×5=05)

बादल हमें वर्षा कैसे देते हैं?

अथवा

प्रयोगशाला तापमापी हमारे शरीर के ताप को मापने के लिए उपयोग में क्यों नहीं लाया जाता है? कारण दीजिए।

प्रश्न 1 : रिक्त स्थान भरिए (5×1=5)

(क) ताँबा का SI मात्रक कूलाम्ब है।

(विकल्प: केल्विन, फारेनहाइट – यहाँ सही उत्तर नहीं थे, पर प्रश्न में ताँबा/ताप का टाइपिंग एरर है, बोर्ड में सामान्यतः "ताप का SI मात्रक" पूछा जाता है, जिसका सही उत्तर केल्विन है)

→ सही शैक्षणिक उत्तर: केल्विन

(ख) किसी स्वस्थ मानव शरीर का सामान्य ताप लगभग 37.0°C होता है।

(ग) जलवाष्प के द्रव अवस्था में परिवर्तन की प्रक्रिया संघनन कहलाती है।

(घ) बर्फ के ठोस अवस्था से परिवर्तित होने के क्रम को पिघलना कहते हैं।

(ङ) वह उपकरण जो ताप मापता है, थर्मामीटर कहलाता है।

प्रश्न 2 : सही (✓) / गलत (x) चिन्ह लगाइए (5×1=5)

(क) फूलों से दाने पृथक करने की विधि को छीजन कहते हैं। → x

(यह थ्रेसिंग कहलाता है, छीजन नहीं)

(ख) नमक के विलयन की धूप में रखकर नमक को इससे पृथक किया जा सकता है। → ✓

(ग) डॉक्टर थर्मामीटर का ताप-परास -10°C से 110°C होता है। → x

(यह प्रयोगशाला थर्मामीटर का परास है)

(घ) अमीबा मिट्टी भारत की एक महत्वपूर्ण फसल है। → x

(ङ) बरसात के दिनों में वायु में जलवाष्प की मात्रा कम होती है। → x

(बरसात में जलवाष्प अधिक होती है)

प्रश्न 3 : स्तंभ 'अ' का स्तंभ 'ब' से मिलान कीजिए (5×1=5)

स्तंभ 'अ'	सही मिलान	स्तंभ 'ब'
(क) बेसन और काले चने का मिश्रण	→	(ii) चुंबकीय पृथक्करण ✗
(ख) चॉक पाउडर और पानी का मिश्रण	→	(iii) निस्पंदन
(ग) गेहूँ और आलू का मिश्रण	→	(i) हस्त चयन
(घ) लोहे के चूरे और बुरादे का मिश्रण	→	(ii) चुंबकीय पृथक्करण
(ङ) तेल और पानी का मिश्रण	→	(v) निस्पंदन (फिल्टर) ✗

● सही बोर्ड-लेवल मिलान (ध्यान से):

स्तंभ 'अ'	सही उत्तर
(क) बेसन और काले चने	(i) हस्त चयन
(ख) चॉक पाउडर + पानी	(iii) निस्पंदन
(ग) गेहूँ और आलू	(i) हस्त चयन
(घ) लोहे का चूरा + बुरादा	(ii) चुंबकीय पृथक्करण
(ङ) तेल और पानी	(iv) चालना

प्रश्न 4 : लगभग 50 शब्दों में उत्तर दीजिए (2×2.5=5)

(क) प्रकृति में जल किन-किन अवस्थाओं में विद्यमान है?

प्रकृति में जल तीन अवस्थाओं में पाया जाता है। ठोस अवस्था में यह बर्फ के रूप में, द्रव अवस्था में जल के रूप में तथा गैसीय अवस्था में जलवाष्प के रूप में विद्यमान रहता है। ये तीनों अवस्थाएँ ताप के परिवर्तन से एक-दूसरे में बदल सकती हैं।

(ख) जल चक्र किसे कहते हैं?

प्रकृति में जल का वाष्पीकरण, संघनन और वर्षा के माध्यम से निरंतर घूमते रहने की प्रक्रिया को जल चक्र कहते हैं। इस प्रक्रिया से पृथ्वी पर जल की मात्रा संतुलित बनी रहती है।

प्रश्न 5 : लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए (1×5=5)

बादल हमें वर्षा कैसे देते हैं?

सूर्य की गर्मी से जल का वाष्पीकरण होता है और जलवाष्प ऊपर उठकर ठंडी वायु में संघनित होकर छोटे-छोटे जलकणों का निर्माण करती है। ये जलकण आपस में मिलकर बादलों का निर्माण करते हैं। जब ये कण भारी हो जाते हैं, तो गुरुत्वाकर्षण बल के कारण पृथ्वी पर वर्षा के रूप में गिरते हैं। इसी प्रक्रिया से हमें वर्षा प्राप्त होती है।